5. हयवदन नाटक की भाषा शैली को स्पष्ट कीजिए । (15)

अथवा

लोकनाटय माच के शिल्प के आधार पर राजयोगी भरथरी की समीक्षा कीजिए ।

6. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए: (7+7)

(1) आधुनिक लोकनाटय का इतिहास

(2) भागवत मेल का स्वरूप

(3) लोकनाटय सांग

(4) हयवदन में निहित संदेश

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 3165 **I**

Unique Paper Code : 2054000007

Name of the Paper : रंगमंच और लोक-साहित्य

Name of the Course : G.E: HINDI

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए: (8+8)

(क) एकले नै कड़ै छोडूं ज्यान तै भी प्यारे नै ।

याहै थारी मनसा सै तै चल घरां म्हारे नैं ।।

म्हारे घर चल दिल नै डाट, वैं तेरी पल पल देखैं बाट ।

सौंप देंगे राजपाट धन माल सारे नै ।।

P.T.O.

अथवा

हमरा के सासत कइकें, परदेशवा गइले बेमान ।

कवनो त चोटही से प्रीतिया लगवले होइहे, अतने के बड़हिन गुमान ।।

अपने पान खाय मुस्कात चलत होइ हें नैना से भारत होइहें शान।

हमरा हाय हो दइबअब दुःख ना सहातबाटे, अधजल में कई गईले प्राण।।

सांवरी सुरत बिनु रहल कठिन बाटे, हमरा पपिनियां के जान ।

कहैं 'भिखारी' राम तप कहाँ गइले बलमुंआ, कुहुकत निसि दिन प्राण।।

(ख) आज म्हारा मन में उठे उमंग, करूंगा श्री सतगुरु को संग

पार बृहम्म परमेसर सतगुरु, जेसे नीरमल गंगा

ग्यान का गोता मार के न्हावां, धोवां मल मल अंग ।

छोड़ा सब संसारी रगड़ा, हुवो आज चित्त भंग

राजा मेल को रेणो छोड़ा, छोड़ां सेज पलँग

धर जोगी को भेस फिरांगा, चडयो हे ऐसो रंग

अथवा

झूठ नहीं, कपिल ! उसके बिना ये हाथ, यह मस्तक किस काम के

हैं? उसके बिना मेरा काव्य जीवित ही कैसे रहेगा? शाकुन्तलम् से श्रेष्ठ काव्य-रचना अब नहीं होगी। लेकिन यह सब उसे कैसे बताऊँ? मेरे पास न मेघदूत है, न भ्रमर । अब तो बस पावन वीथी में खड़े-खड़े तपस्या करना ही मेरे भाग्य में है।

2. लोकनाटय के स्वरूप का उल्लेख करते हुए उसकी विकास यात्रा को स्पष्ट कीजिए । (15)

अथवा

लोकनाटय के आधुनिक मिश्रित प्रयोगधार्मी स्वरूप का उल्लेख कीजिए ।

3. लोक नाटक के संदर्भ में तमाशा की समीक्षा कीजिए। (15)

अथवा

लोक नाटकों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करते हुए रामलीला का उल्लेख कीजिए।

4. नल दमयंती सांग के आधार पर दमयंती की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (15)

अथवा

लोकनाटय बिदेसिया की शैली के आधार पर भिखारी ठाकुर के 'बिदेसिया' की समीक्षा कीजिए ।